सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 32 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 7 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

खुद में वहीं बदलाव लाएं जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।
-महात्मा गांधी

भारत-न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला... 7 | तमिलनाडु में बिछने लगी चुनावी... 3 | भाजपा सरकार में बेलगाम हैं अपराधी... 2

ईरानी मिसाइलों से इजरायल मिडिल ईस्ट धुआं-धुआं

मध्य पूर्व में तीसरे विश्वयुद्ध का ट्रेलर?

» भारतीय पत्रकार ने खोली इजरायल की पोल मौत का अंकड़ा छुपा रही है सरकार

» डिकैपिटेशन स्ट्रैटेजी की तरफ बढ़ता ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध

» ईरान ने 500 मिसाइल और 2 हजार ड्रोन से किया अटैक बदले में अमेरिका ने बरसाए तेहरान पर आग के गोले

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है। आसमान में गूंजते सायरन शहरों के ऊपर चमकती इंटरसेप्टर मिसाइलें और दूर कहीं उठते धुएं के बादल। यह सब मिलकर उस युद्ध की तस्वीर बना रहे हैं जो अब सीमित संघर्ष से आगे बढ़कर बड़े टकराव का रूप लेता दिखाई दे रहा है। ईरान-इजरायल के बीच चल रही लड़ाई अब बड़े युद्ध में बदलती दिख रही है।

इस युद्ध में अबतक मोर्चे खुल चुके हैं या यूं कहें कि खोले जा चुके हैं। और कई ताकतें अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो रही है। ताजा सैन्य घटनाक्रम ने इस टकराव की तीव्रता को और बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने हालिया हमलों में सैकड़ों मिसाइल और बड़ी संख्या में ड्रोन दागे हैं जिनका निशाना इजरायली सैन्य ठिकाने सुरक्षा प्रतिष्ठान और रणनीतिक इलाके रहे। ईरान की ओर से दागी जा रही न्यू जनरेशन मिसाइल सीधे निशाने को हिट कर रही हैं जिससे इजरायल में अफरा-तफरी का महौल बन चुका है। चारों ओर भगदड़ की खबरें और बंकर और हमले से पहले सायरन टेक्नोलॉजी बीता कल बन चुका है।

युद्ध का अगला चरण और भी खतरनाक होगा

भारतीय रक्षा विशेषज्ञ और पूर्व सैन्य अधिकारी इस युद्ध को मल्टी-फ्रंट वॉर कह रहे हैं। उनके मुताबिक यह एक ऐसा युद्ध है जिसमें एक साथ कई मोर्चे खुलते जा हैं और क्षेत्रीय संतुलन तेजी से बदलने लगता है। लेबनान में सक्रिय हेजबुल्ल, सीरिया के सैन्य ठिकाने, खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और समुद्री मार्ग सभी इस संघर्ष की संभावित कड़ियां बनते दिखाई दे रहे हैं। मिडिल ईस्ट उस दिशा में तेजी से बढ़ रहा है जिसे कुछ विश्लेषक तीसरे विश्वयुद्ध का ट्रेलर कहने लगे हैं। रणनीतिक स्तर पर यह युद्ध अब डिकैपिटेशन स्ट्रैटेजी की तरफ बढ़ता दिख रहा है। यानी दुश्मन की सैन्य कमान, मिसाइल नेटवर्क और रणनीतिक क्षमता को सीधे निशाना बनाना। अगर यह रणनीति पूरी तरह लागू होती है तो इसका मतलब होगा कि युद्ध का अगला चरण और भी तीखा और खतरनाक हो सकता है। इस संघर्ष का असर सिर्फ युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है। तेल बाजार समुद्री व्यापार और वैश्विक राजनीति सभी इस तनाव से प्रभावित हो रहे हैं।

भारतीय पत्रकार की इजरायल में आंखों देखी

इजरायल से लौटे एक भारतीय पत्रकार बृजमोहन ने एक भारतीय वेबसाइट को दिये इंटरव्यू में इजरायल के भीतर युद्ध के हालात की आंखों देखी सुनाते हुए बताया है कि इजरायल में मौत का आंकड़ा छुपाया जा रहा है। हमले से पहले सायरन नहीं बज रहे हैं और बंकर जैसी बातें बस कहानियां है। जहां तहां अगर बंकर है भी तो उन बंकरों में ईरानी मिसाइले मौत का तांडव बरपा कर रही है। उन्होंने भारत सरकार से अपील की है कि वहां फंसे भारतीय पत्रकारों को तत्काल देश वापस लाये। उनके मुताबिक वह खुशकिस्मत रहे और खजूर खाकर किसी प्रकार काम चलाया। उन्होंने बताया कि सरकार की तरफ से पत्रकारों को साफ संदेश है कि मौत का आंकड़ा छुपाया जाए और असली कैजुअल्टी की संख्या किसी भी कीमत पर बाहर नहीं जानी चाहिए। उन्होंने भारतीय में रिपोर्टिंग के तौर तरीकों की तुलना इजरायल से करते हुए कहा कि वहां मीडिया पर पूरी तरह से सरकार की सेंसरशिप है।

ईरानियन मिसाइल ने इजरायली शेल्टर को खाक

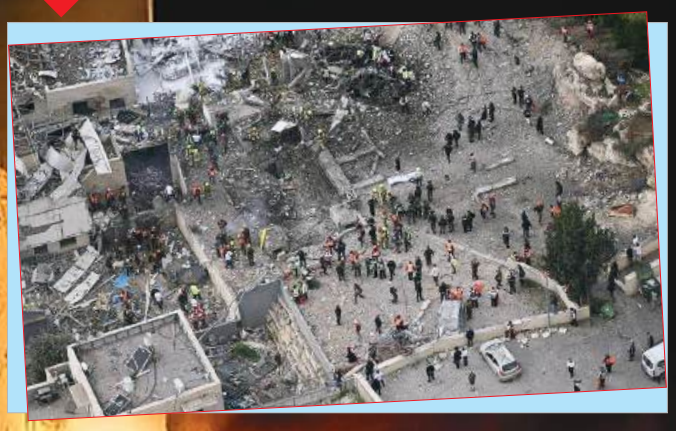

वैश्विक संकट का रूप लेता युद्ध

मिडिल ईस्ट में बढ़ती आग अब सिर्फ क्षेत्रीय समस्या नहीं रही। यह धीरे-धीरे एक वैश्विक संकट का रूप लेती दिखाई दे रही है। हालिया हमलों में ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता खुलकर सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार ईरान ने एक साथ बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च कर इजरायल की एयर डिफेंस प्रणाली को भेद दिया है। यह रणनीति सैचुरेशन अटैक कहलाती है जहां दुश्मन की रक्षा प्रणाली को एक साथ इतने लक्ष्य दिए जाते हैं कि उसे हर दिशा में प्रतिक्रिया देनी पड़ती है। इजरायल की आयरन डोम और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम फेल हो गया है।

इंडियन आयल की सफाई

इंडियन आयल समेत देश की दूसरी अन्य तेल कंपनियों ने सोशल मीडिया पर चल रही तेल की कमी की बेबुनियाद खबरों का खंडन करते हुए कहा है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम

कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है और सप्लाई सिस्टम ठीक से काम कर रहे हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के ये बयान वेस्ट एशिया में बढ़ते तनाव के बाद ग्लोबल एनर्जी सप्लाई की चिंताओं के बीच आए हैं।

भाजपा सरकार में बेलगाम हैं अपराधी और दबंग

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले - सरकार उन्हें दे रही है राजनीतिक संरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हत्या, लूट और बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। भाजपा सरकार का कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा असत्य साबित हो चुका है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के कारनामों से त्रस्त है। अपराधी तत्व और दबंग सत्ता के संरक्षण में बेलगाम है। सरेआम हत्याओं ओर अपराधों को अंजाम दे रहे है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र में परिवहन निगम के अनुबंधित बस के चालक ललई यादव की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मुख्य आरोपी ने सड़क पर ललई यादव की गर्दन पर पैर रखकर दबा दिया। बुलंदशहर में पचौता गांव में आयोजित मेले में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ। आजमगढ़ में दुष्कर्म पीड़िता की हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा कि अपराधियों में कानून और पुलिस का डर नहीं है। भाजपा सरकार सो रही है। आपराधिक तत्वों और दबंगों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। भाजपा सरकार निष्क्रिय हो चुकी है। कहीं भूमाफिया, कहीं खनन माफिया तो कहीं अवैध लक ी माफिया उत्तर प्रदेश को लूट रहे है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा की सरकार को उखाड़ फेंकने को तैयार है। 2027 में जनता भाजपा की भ्रष्ट और अराजक सरकार को हटा देगी।

हम चाहते थे नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें, लेकिन अब राज्यसभा सदस्य बनकर रिटायर हो जाएंगे

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले पर तंज कसते हुए कहा कि हम तो चाहते थे कि वे प्रधानमंत्री बनें, लेकिन वे अब राज्यसभा सांसद बन रहे हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा को भी आड़े हाथों लिया। अखिलेश यादव लखनऊ में आयोजित एक इफ्तार पार्टी में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि जो लोग पॉलिटिक्स समझते हैं, वे जानते हैं कि पहले दिन से भारतीय जनता पार्टी क्या करेगी। पहले भी हम लोगों ने कहा था कि हम सब मिलकर चाहते थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें, लेकिन अब वह राज्यसभा मेंबर के तौर पर रिटायर होंगे।

बंगाल और यूपी के चुनाव के बाद ज्यादा इस्तीफे होंगे

पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस के इस्तीफे पर समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि कौन जानता है कि इसके बाद और कितने इस्तीफे होंगे। बंगाल और यूपी के चुनाव के बाद ज्यादा इस्तीफे होंगे। भारतीय भावना की झलक है, जहां हम एक-दूसरे के त्योहारों और जश्न में शामिल होते है। इफ्तार पार्टी का जिक्र करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि मैं मौलाना साहब को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने हमें हर दिन एक साथ रोज़ा इफ्तार मनाने का मौका दिया। यह हमारी भारतीय भावना की झलक है, जहां हम एक-दूसरे के त्योहारों और जश्न में शामिल होते हैं। यह मिलकर मनाया जाने वाला जश्न हमारी संस्कृति की एकता को दिखाता है, जिसे गंगा-जमुनी तहज़ीब के नाम से जाना जाता है, जहां अलग-अलग विचार, धर्म और समुदाय एक ही जमीन पर शांति से रहते हैं।

यह सरकार डर दिखाकर काम कर रही है

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर अखिलेश यादव ने कहा कि मैं देश के सभी लोगों से अपील करता हूं कि अगर आज शंकराचार्य के साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है तो कल किसी के साथ भी हो सकता है। यह सरकार डर दिखाकर काम कर रही है। लोगों को बेइज्जत कर रही है। शंकराचार्य को कितनी पीड़ा हुई होगी, जब उन पर झूठे मुकदमे लगे होंगे। उन्होंने कहा कि कभी किसी की सरकार में शंकराचार्य को अपमान नहीं सहना पड़ा होगा। एक सवाल के जवाब में सपा प्रमुख ने कहा कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं। समाजवादी पार्टी ने कभी युद्ध का समर्थन नहीं किया है। युद्ध से नुकसान और तबाही होती है और इसके नतीजे हमेशा दुखद होते हैं। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं।

जब जाएंगे भाजपाई, तभी घटेगी महंगाई

देशभर में शनिवार (7 मार्च) से गैस से सिलेंडर की कीमतें बढ़ गई हैं। भारत में एलपीजी सिलेंडर अब महंगा हो गया है। इस बीच विपक्ष ने सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। फिलहाल इस बढ़ती महंगाई को देखते हुए राजनीतिक दलों की तरफ से भी प्रतिक्रि याएं आना शुरू हो गई हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि जब जाएंगे भाजपाई, तभी घटेगी महंगाई, अखिलेश का यह बयान गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के ठीक बाद में आया है।

भाजपा को बिहार में नीतीश की जरूरत नहीं : कुमारी शैलजा

चंडीगढ़। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने इस कदम को लेकर एनडीए पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सिरसा में पत्रकारों से बातचीत में कुमारी शैलजा ने कहा कि अब शायद उन्हें बिहार में नीतीश कुमार की जरूरत महसूस नहीं हो रही है, इसीलिए वे उन्हें राज्यसभा भेज रहे हैं। बता दें कि नीतीश कुमार ने पटना में नामांकन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पर्चा दाखिल किया था। राज्यसभा की बिहार की पांच सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है, जहां एनडीए के उम्मीदवार मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं।

बीजेपी की राजनीति की चाल में फंस गए नीतीश : भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिहार की सियासत को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नितीश कुमार को राज्यसभा भेजे जाने का फैसला कई राजनीतिक सवाल खड़े करता है। बघेल के मुताबिक चुनाव के समय उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा मानने से इनकार किया गया था, जबकि उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा गया और जीत भी मिली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार अनुभवी नेता हैं और दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राजनीतिक रणनीति में उलझ गए। पूर्व सीएम बघेल का कहना है कि जीत के बाद उन्हें किनारे कर दिया गया, जो राजनीतिक तौर पर बड़ा संकेत है।

यूपी की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई : वंशराज

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, दवा और जांच तक नहीं, गरीब निजी अस्पतालों में लुटने को मजबूर

» आप ने भाजपा को घेरा-इलाज को लंबी कतार लग रही

» आप प्रवक्ता ने कहा, 2026 में भी एक्सरे की फिल्म नहीं, मशीनें धूल फांक रहीं, क्या 'जादू' से होगा इलाज?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था के चरमराने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के 8689 पद खाली हैं और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं का भी अभाव है। वंशराज ने बयान जारी कर कहा कि इसका सीधा असर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पतालों पर पड़ रहा है। जहां मरीजों को इलाज के लिए लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता है। कई बार डॉक्टरों की अनुपस्थिति में उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों के न होने से गरीब मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। जहां उनसे मनमाने पैसे वसूले जाते हैं। प्रदेश के अस्पतालों में एक्सरे की फिल्म तक उपलब्ध नहीं है। मरीजों को एक्सरे रिपोर्ट फोटोकॉपी के कागज पर दी जा रही है। वंशराज ने बयान जारी कर कहा कि इसका सीधा असर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पतालों पर पड़ रहा है। जहां मरीजों को इलाज के लिए लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता है। कई बार डॉक्टरों की अनुपस्थिति में उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों के न होने से गरीब मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। जहां उनसे मनमाने पैसे वसूले जाते हैं। प्रदेश के अस्पतालों में एक्सरे की फिल्म तक उपलब्ध नहीं है। मरीजों को एक्सरे रिपोर्ट फोटोकॉपी के कागज पर दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े खुद सरकार की पोल खोल रहे हैं। विभाग में लेवल-2 के 7,240 पदों में से 5,497 पद खाली हैं, जबकि लेवल-3 के 5,199 पदों में केवल 2,007 डॉक्टर ही कार्यरत हैं। यही नहीं, वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर भी भारी कमी है। संयुक्त निदेशक के 2,555 पदों में से 1,330 पद खाली, एडिशनल डायरेक्टर के 70 पदों में से 58 पद रिक्त, जबकि डिप्टी डायरेक्टर (सर्जन) के 970 पदों में से 157 पद खाली हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर मैनपावर संकट से जूझ रही है।

दुबे ने कहा कि डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए सरकार ने 2,391 डॉक्टरों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू की थी, जिसमें 601 विशेषज्ञ डॉक्टर और 1,790 एमबीबीएस डॉक्टरों के पद शामिल थे। इसके लिए आवेदन भी लिए गए और जनवरी में इंटरव्यू भी आयोजित हुए, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी भर्ती का परिणाम घोषित नहीं हुआ और पूरी प्रक्रिया मेरिट व पारदर्शिता के विवाद में उलझ गई। इससे यह साफ हो गया है कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें कोर्ट-कचहरी के चक्कर कटवाने में ज्यादा दिलचस्पी रखती है।

बंगाल के वोटरों को उनका हक दिलाकर रहूंगी : ममता बनर्जी

» टीएमसी का एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और कहा कि वह भाजपा-चुनाव आयोग की बंगाल के मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश का पर्दाफाश करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा-चुनाव आयोग की बंगाल के मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश का पर्दाफाश करूंगी। मैं चुनाव आयोग द्वारा मृत घोषित किए गए मतदाताओं को कोलकाता में पेश करूंगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में एसआईआर के बाद मतदाता सूचियों में कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में धरना शुरू किया। यह विरोध प्रदर्शन चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ के राज्य दौरे से ठीक दो दिन पहले हो रहा है। मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले इस धरने की घोषणा टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को की। उन्होंने चुनाव आयोग पर विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले लाखों वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने वाली राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। यह विरोध प्रदर्शन सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा राजनीतिक तनाव बढ़ाने का एक बड़ा संकेत है, जो चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर के बाद की मतदाता सूची प्रकाशित करने के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है। एसआईआर ने राज्य के मतदाताओं की संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

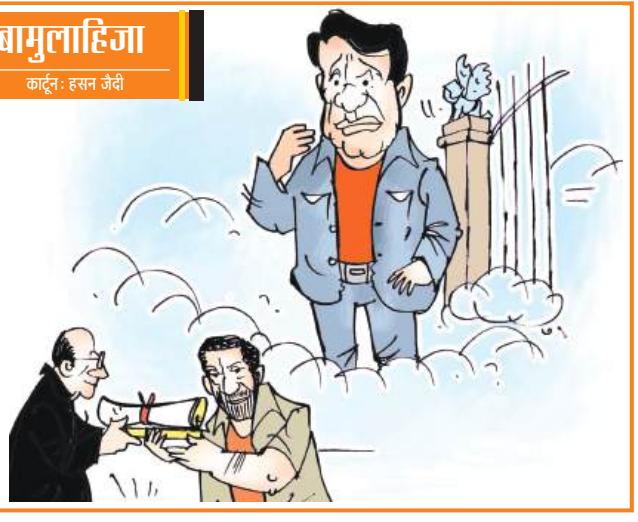

समाधान बन गई समस्या : बुजुर्ग महिला की बड़ी मुश्किल से बची जन

नगर निगम का हाल : खराब लिफ्ट बनी बवाल, 56 सीढ़ियां से क्यूआरीटी टीम ने कुर्सी पर बिठा कर पहुंचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम आफिस में एक बुर्जग महिला की बस जान जाते जाते बच गयी। हुआ यूं कि नगर निगम समाधान दिवस का आयोजन करता है। निगम का दावा है कि समाधान दिवस मे नगर निगम से जुड़े जनता के मुददों का समाधान किया जाता है।

अपनी समस्याओं से निबटारे की आस में एक बुर्जग महिला बा मुश्किल दिवस में पहुंची तो लेकिन लिफ्ट खराब होने के कारण उन्हें काफी सीड़यिा चढ़नी पड़ी जिससे उनकी सास फूल गयी और जान जाते जाते बची। यह हाल तब है जब नगर निगम के पास लोगों की समस्याओं के समाधान करने के लिए करोड़ों रूपयों का बजट है लेकिन निगम अपनी खुद की समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहा है।

दो अधिकारियों के बीच की लड़ाई, रामदुलारी की जान पर बन आयी

बताया जा रहा है कि नगर निगम में दो अधिकारियों के नियमों को लेकर लगभग डेढ़ माह से लिफ्ट खराब चल रही है और इसका नतीजा यह रहा कि आज एक 80 वर्षीय महिला समाधान दिवस के अवसर पर 46 जीना ऊपर चढ़ गई लेकिन उसकी इतनी सांस फूलने लगी की आखिर में उसको क्यूआरटी टीम के जवानों ने कुर्सी पर बैठाकर अधिकारियों के समक्ष रखा ऐसी तीन महिलाएं आज लिफ्ट खराब होने को लेकर कोपभाजन का शिकार हुई जिसे जीना चढ़ाने में काफी परेशानी हुई ऐसी स्थिति में नगर निगम के अधिकारियों को सोचना चाहिए कि उन्हें बुजुर्गों के प्रति क्या संवेदना है और इस संवेदना को महापौर को भी गंभीरता से देखना चाहिए। लेकिन लिफ्ट नहीं बनाई गई इस बात को लेकर तरह-तरह की चचाएं हैं मशकागंज जोन एक की रहने वाली रामदुलारी को ग्रहकर में ज्यादा धनराशि लगा दी गई थी और इसको ठीक करने के लिए वह आज आई थी लेकिन बिल ठीक करने के बजाये उनके जान पर आ गई थी।

तमिलनाडु में बिछने लगी चुनावी बिसात

सीटों को लेकर कांग्रेस व डीएमके में बनेगी बात

» इंडिया गठबंधन व एनडीए ने बनाई रणनीति

» भाजपा व एआईडीएमके ने भी कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनावी तैयारी में सभी दल जुट गए हैं। डीएमके सरकार जहां सत्ता को बरकरार रखने की जुगत लगा रही है तो भाजपा भी अपना खाता खोलने को बेसब्र हो रही है। उधर तमिलनाडु कांग्रेस ने डीएमके के साथ सीट बंटवारे पर किसी भी भ्रम से इनकार करते हुए कहा है कि बातचीत सुचारू रूप से चल रही है और जल्द ही समझौता हो जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई ने इंडिया गठबंधन को एक स्वाभाविक और वैचारिक गठबंधन बताते हुए अधिक सीटों की मांग को बातचीत की एक सामान्य प्रक्रिया करार दिया है। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत के बाद समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में बातचीत होती है, और हर पार्टी अधिक सीटों की मांग करती है, और अंततः समझौता हो जाता है। यहां भी ऐसा ही होगा। हम कुछ और सीटों की मांग कर रहे हैं, और समझौता हो जाएगा।

पेरियार की तस्वीर हटाए जाने पर भाजपा से वार-पलटवार

भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदराजन ने एनडीए की सभा से पेरियार की तस्वीर हटाने का बचाव करते हुए इसे आयोजकों की विचारधारा और हिंदू भावनाओं का सम्मान बताया। उन्होंने डीएमके पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि यदि उसके 80 प्रतिशत सदस्य हिंदू हैं, तो पार्टी सम्मेलनों में हिंदू देवताओं की तस्वीरें क्यों नहीं होतीं। भाजपा नेता तमिलिसाई

सौंदर्यराजन ने मदुरै में एनडीए की एक जनसभा के प्रवेश द्वार से पेरियार ई.वी. रामासामी की तस्वीर हटाए जाने की कथित घटना को उचित ठहराते हुए कहा कि यह आयोजकों द्वारा हिंदू भावनाओं का सम्मान करने की इच्छा को दर्शाता है। इस विषय पर बोलते हुए, तमिलिसाई सौंदराजन ने डीएमके के वैचारिक रुख पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी के 80त्न सदस्य हिंदू होने के दावे के बावजूद, भगवान मुरुगन और देवी काली जैसी हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें पार्टी सम्मेलनों में क्यों नहीं दिखाई जातीं?

इंडिया ब्लॉक गठबंधन, एक स्वाभाविक और एक वैचारिक गठबंधन है : सेल्वपेरुंथगई

सेल्वपेरुंथगई ने आगे कहा कि डीएमके और कांग्रेस, यानी इंडिया ब्लॉक गठबंधन, एक स्वाभाविक गठबंधन है, एक वैचारिक गठबंधन है। असहमति की क्या बात है? हर चुनाव में, सभी पार्टियां, यहां तक कि छोटी पार्टियां भी, अधिक सीटों की मांग करती हैं। हमें जो भी चाहिए, हम मांगेंगे। हमारे मुख्यमंत्री स्टालिन इस पर जरूर विचार करेंगे। कोई समस्या नहीं है; सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने कांग्रेस और

तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) की बातचीत की अफवाहों को भी खारिज करते हुए कहा कि हमने टीवीके से बात नहीं की। किसने कहा कि हमने टीवीके से बात की? मैं पीसीसी अध्यक्ष हूं। मेरे हाई कमांड ने भी मुझे उनसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बात करने का कोई निर्देश नहीं दिया। हम कोई गुप्त राजनीति नहीं करते।ये बयान राज्य में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और डीएमके के बीच चल रही बातचीत के बीच आए हैं।

हमने अपनी-अपनी इच्छा सूची साझा कर ली है : चोडंकर

इस बीच, तमिलनाडु के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारी गिरीश चोडंकर ने भी डीएमके नेतृत्व के साथ सीटों के बंटवारे पर चल रही बातचीत को लेकर आशा व्यक्त की। चोडंकर ने कहा कि हमने अपनी-अपनी इच्छा सूची साझा कर ली है और जैसे ही यह अंतिम रूप ले लेगी, हम आपको सूचित करेंगे। हमें पूरी उम्मीद और विश्वास है कि हमारी इच्छाएं पूरी होंगी।

तस्वीरों का चयन आयोजकों की विचारधारा को दर्शाता है और इसे प्रदर्शित करने में कुछ भी छिपाने जैसा नहीं : सौंदर्यराजन

भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने आगे कहा कि कार्यक्रमों में तस्वीरों का चयन आयोजकों की विचारधारा को दर्शाता है और इसे प्रदर्शित करने में कुछ भी छिपाने जैसा नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यदि कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं है और यदि कोई सभी का समान रूप से सम्मान करने का दावा करता है, तो हिंदू मंदिरों में क्यों नहीं जाते? यदि, जैसा कि दावा किया जाता है, डीएमके के 80 प्रतिशत सदस्य हिंदू हैं, तो उनके सम्मेलन में भगवान मुरुगन या देवी काली की तस्वीरें क्यों नहीं हैं? इसी प्रकार, सम्मेलन में प्रदर्शित तस्वीरें आयोजकों की विचारधारा को दर्शाती हैं। इसमें कुछ भी छिपाने जैसा नहीं है। भाजपा नेता ने तमिलनाडु के मदुरै स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी का मंदिर दौरा मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद हुआ है जिसमें अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के श्रद्धालुओं को तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपा थून पर दीपक जलाने की अनुमति दी गई थी। तमिलिसाई सौंदराजन ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि विवाद समाप्त हो गया है। उपेक्षित हिंदुओं की भावनाएं और आहत हिंदुओं की संवेदनाएं अभी भी बनी हुई हैं। एक मां ने बताया कि वह मुरुगन मंदिर में दीपक नहीं जला पाई। प्रधानमंत्री मोदी मां के समर्थन में आए और उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि हिंदुओं को हाशिए पर रखा जा रहा है और वह उनके साथ खड़े हैं। सौंदर्यराजन ने कहा कि 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए 2026 के पहले छमाही में चुनाव होंगे, जहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए द्रविड़ मॉडल 2.0 को पेश करने की कोशिश करेग

द्रविड़ मॉडल 2.0 को पेश करने की कोशिश

तमिलनाडु विधानसभा की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 2026 के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे, जहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन भाजपा-एआईडीएमके गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए द्रविड़ मॉडल 2.0 को पेश करने की कोशिश करेगा।

मोदी का दावा राज्य में बनेगी एनडीए सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में वापसी का पार्टी का सपना दु:स्वप्न में बदल जाएगा और एनडीए राज्य में सरकार बनाएगा। एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन की जीत पर विश्वास जताते हुए पीएम मोदी ने आगामी विधानसभा चुनावों को राज्य के लिए महत्वपूर्ण मोड़ बताया। मदुरै में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने डीएमके पर भ्रष्टाचार और शहर में खराब अपशिष्ट प्रबंधन का आरोप लगाया, जिसके कारण स्वच्छता के मामले में मदुरै की राष्ट्रीय रैंकिंग काफी नीचे है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग तमिलनाडु में सत्ता में वापसी का सपना देख रहे हैं, लेकिन एनडीए की इस विशाल रैली को देखकर उनके सपने दु:स्वप्न में बदल जाएंगे। यह चुनाव तमिलनाडु का निर्णायक मोड़ है। लोगों ने अपना मन बना लिया है लोगों ने तय कर लिया है कि डीएमके को सत्ता से बाहर

करना है। वे यह भी अच्छी तरह जानते हैं कि केवल एनडीए ही बदलाव ला सकता है। तमिलनाडु की अगली सरकार एनडीए की होगी। उन्होंने आगे कहा कि 2021 में, 25 लंबे वर्षों के बाद, डीएमके को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला, लेकिन उन्होंने सुशासन नहीं दिया। उन्होंने राज्य को लूटा और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दिया। मदुरै एमजीआर के साथ खड़ा रहा, जो इस शहर से बेहद प्यार करते थे। यही कारण है कि डीएमके ने कभी मदुरै को पसंद नहीं किया और मदुरै में माफिया जैसी राजनीति लाई। वे खराब जल निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन की कमी लेकर आए। उन्होंने मदुरै को स्वच्छता में राष्ट्रीय रैंकिंग में सबसे नीचे पहुंचा दिया, और भ्रष्टाचार के कारण महापौर को इस्तीफा देना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और बताया कि उन्होंने कार्तिकई दीपम विवाद को लेकर आत्मदाह करने वाले भक्त पूर्णचंद्रन के परिवार से मुलाकात की। मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले का विरोध करने के लिए डीएमके की आलोचना करते हुए, जिसमें भक्तों को तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपा थून पर औपचारिक दीपक जलाने की अनुमति दी गई थी, प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्य और भगवान मुरुगन की जीत होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सार्वजनिक परिवहन से ही खत्म होगा जाम की झाम

यूपी के सीएम ने होली में ट्रैफिक नियमों के पालन को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। पर शहरों में जो गाड़ियों की वजह से जाम लगने से आम जन परेशान हो रहा है उसकी तरफ भी ध्यान दें। धीरे-धीरे गर्मी बढ़ रही है ऐसें में सड़क अगर लोग जाम में फसेंगे तो वह अपनी जान को जोखिम में भी डालेंगे। एक विकसित शहर वह नहीं है जहां हर नागरिक के पास कार हो, बल्कि वह है जहां एक अति-संपन्न व्यक्ति भी अपनी कार छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना पसंद करे। इसके लिए नीतियों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है। आधुनिक विकास की संकल्पना में शहरों को गति, सुगमता और आर्थिक प्रगति का केंद्र माना गया था, लेकिन आज हमारे महानगर और उभरते शहर जिस भीषण ट्रैफिक जाम से जूझ रहे हैं, वह इस विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना है।

सुबह-शाम दफ्तर या घर पहुंचने की जद्दोजहद में एक आम नागरिक का बहुमूल्य समय और ऊर्जा केवल ब्रेक और क्लच के बीच पिसकर रह गया है। सड़कों पर बसों के लिए समर्पित लेन, सुरक्षित साइकिल ट्रैक और पैदल यात्रियों के लिए अतिक्रमण-मुक्त फुटपाथ हमारी शहरी नियोजन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति , दूरदर्शी नीतियों और आम जनता के अनुशासित व्यवहार के बीच एक सटीक और ईमानदार तालमेल की आवश्यकता है। यदि हम अपने शहरों की रुकी हुई धड़कन को फिर से सुचारू रूप से चलाना चाहते हैं, तो हमें वैचारिक सोच और सड़क पर अपनी आदतों, दोनों में ढांचागत बदलाव करने होंगे। निर्बाध चलती हुई सड़कें केवल हमारा समय ही नहीं बचातीं, बल्कि वे शहर की आर्थिक खुशहाली और हमारे जीवन की समग्र गुणवत्ता का भी सबसे प्रामाणिक और जीवंत सूचकांक हैं। जिस शहरीकरण को जीवन का स्तर सुधारना था, वह आज एक रेंगती हुई व्यवस्था में तब्दील हो गया है। घंटों जाम में जलता ईंधन न केवल राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि यह हमारे शहरों को गैस के चैंबर में भी बदल रहा है, जिसका सीधा असर हमारी आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसका प्राथमिक कारण केवल संकरी सड़कें या लचर यातायात प्रबंधन नहीं है, बल्कि निजी वाहनों की अनियंत्रित और असीमित वृद्धि है। पिछले कुछ दशकों में पूरा ध्यान व बजट केवल फ्लाईओवर बनाने, अंडरपास खोदने और सड़कों को चौड़ा करने पर केंद्रित रहा है। लेकिन यातायात विशेषज्ञों का स्पष्ट मानना है कि सड़कें चौड़ी करना ट्रैफिक जाम का स्थायी समाधान नहीं है।

एक विकसित शहर वह नहीं है जहां हर नागरिक के पास कार हो, बल्कि वह है जहां एक अति-संपन्न व्यक्ति भी अपनी कार छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना पसंद करे। इसके लिए नीतियों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निर्यात बढ़ाने को जरूरी खास रणनीतिक उपाय

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ईरान और इस्त्राइल-अमेरिका के बीच युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर संबंधित मंत्रालयों, निर्यातक संगठनों और शिपिंग कंपनियों द्वारा जारी विचार मंथन में दो अहम बातें सामने आ रही हैं। एक, इस युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती खड़ी हो गई है। दो, युद्ध के दौर में सरकार द्वारा निर्यातकों को हरसंभव सहयोग- प्रोत्साहन, व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन और सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के लिए अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान तीनों ही निर्यात के अहम बाजार हैं, ऐसे में न केवल इन तीनों देशों में, बल्कि युद्ध प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देशों में भी भारत से होने वाले निर्यात प्रभावित होंगे। विभिन्न देशों में भारत से निर्यात होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित हो सकते हैं।

युद्ध के बीच ईरान द्वारा दुनिया के सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से विभिन्न देशों के बाजारों में माल ढुलाई और बीमा प्रीमियम की लागत बढ़ने से भी भारतीय निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, युद्ध के कारण सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल से इनके आयात के बढ़े हुए मूल्य के कारण भारत का व्यापार घाटा और बढ़ता नजर आ सकता है। ऐसे में अब युद्ध के कारण निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती के मद्देनजर भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने व व्यापार घाटा नियंत्रित रखने को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। इसके मद्देनजर चार महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा। पहला, भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तेजी से कारोबार और निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना। दूसरा, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना।

तीसरा, निर्यात के नए बाजारों में प्रवेश करना। चौथा, आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में पेश केंद्रीय बजट के तहत घोषित निर्यात प्रोत्साहनों के क्रियान्वयन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही ध्यान दिया जाना। गौरतलब है कि भारत द्वारा कई देशों के साथ जो एफटीए किए गए हैं, उन्हें शीघ्रता से क्रियान्वयन की डगर

पर आगे बढ़ाना होगा। इनमें 27 जनवरी को भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित एफटीए सबसे महत्वपूर्ण है। यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी यानी मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स कहते हुए रेखांकित किया गया है कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पॉवर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। पिछले वर्ष 2025 में भारत द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्त्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को आकार देने की पहल की जानी होगी। ईरान और इस्त्राइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं। ऐसे में भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। एक फरवरी को वित्तमंत्री द्वारा पेश केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ध्यान देना होगा।

नि:संदेह, इस समय वैश्विक व्यापार और वैश्विक निर्यात में कमी की चुनौतियां सामने खड़ी है, तब भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं वरन एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 15-20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं।

बाहरी चमक दमक में सिसकता अमेरिकी समाज

क्षमा शर्मा

हाल ही में अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप के मनमाने तरीके से टैरिफ लगाने के फैसले को पलटा। बदले में वहां के न्यायाधीशों को लेकर ट्रंप ने गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल किया, उससे यही पता चलता है कि उनकी आस्था लोकतांत्रिक मूल्यों में कतई नहीं है। बल्कि जिस तरह के बयान वे लगातार दे रहे हैं, वे भी बताते हैं कि उन्हें किसी की परवाह नहीं है। उनकी ऐसी बातें सुनकर अनेक ऐसी कहानियां याद आती हैं, जहां कोई राजा-महाराजा अपने को अमर समझता था और दुर्दिनों को प्राप्त होता था। अमेरिका में इन दिनों उन लोगों की बाढ़ आई हुई है, जो सड़कों पर उतरे हुए हैं। वे भारतीयों को तरह-तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं। नफरती बयान दे रहे हैं। उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रहे हैं।

जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाया और दुनिया के अधिकांश देशों ने चुप्पी साध ली, वह तुलसीदास जी की सैकड़ों वर्ष पहले लिखी बात को सच साबित करता है 'समरथ को नहिं दोष गुसाईं'। लेकिन कोई भी सामर्थ्यवान हमेशा समर्थ नहीं रहता। यह भी याद रखना चाहिए। पूरी दुनिया के युवा जिन्हें जेनरेशन जी के नाम से पुकारा जाता है, वे अमेरिका को किसी ड्रीम कंट्री की तरह देखते रहे हैं। भारत में भी बच्चे की सफलता इस बात से तय मानी जाती है कि वह अमेरिका गया कि नहीं। लेकिन अब ये सपने टूट रहे हैं। वहां के विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों का एनरोलमेंट लगातार गिर रहा है। अमेरिका बस श्वेत अमेरिकियों के लिए है, ये भावना वहां सिर उठा रही है। इसलिए बाहर के बच्चे वहां जाने से बच रहे हैं। अमेरिका की आबादी मात्र चौंतीस-पैंतीस करोड़ है। लेकिन अपराधों का आंकड़ा बहुत बड़ा है। स्त्रियों के प्रति अपराध बड़ी संख्या में होते हैं। आबादी के मुकाबले दुगुने हथियार हैं। ये सरे बाजार मिलते हैं। बच्चे ड्रग्स की चपेट में हैं। ड्रग्स खुले बाजार में मिलती हैं और बच्चे भी इन्हें खरीद सकते हैं। उन्हें कोई रोक भी नहीं सकता। यदि कोई रोके, तो इसे बच्चों के अधिकारों के खिलाफ माना जाता है।

हाल ही में पेंग्विन में छपे तीन उपन्यासों को पढ़ा था। ये हैं-ब्वॉयफ्रेंड, झूठ मत बोलो और हादसा। इसकी लेखिका फ्रीडा मैकफेडन हैं। फ्रीडा पेशे से दिमाग की चोटों की एक्सपर्ट डाक्टर हैं। लेकिन क्राइम थ्रिलर और कामेडी भी लिखती हैं। अब तक उनकी रचनाओं के विश्व की चालीस भाषाओं में अनुवाद हो चुके हैं। इन उपन्यासों को पढ़ते हुए लगा कि वे अमेरिका के जीवन को कितनी नजदीक से जानती हैं। तीनों के तीनों उपन्यास ऐसे हैं, जिनसे पता लगता है कि वहां के समाज में आप किसी पर विश्वास नहीं कर सकते। भाई-बहन पर नहीं, बहन भाई पर नहीं। पति-पत्नी पर नहीं, पत्नी पति पर नहीं। मरीज डाक्टर पर नहीं, और डाक्टर मरीज पर नहीं। इनमें से अधिकतर अपने आसपास वालों की हत्या कर देते हैं। गाड़ी के ब्रेक खराब कर देते हैं। इनकी लाशों को घरों के तहखानों में डाल दिया जाता है।

वे वहां सड़ जाती हैं। या किसी जंगल में जाकर गाड़ दिया जाता है। बच्चे की चाह में किसी महिला को मदद के बहाने अपने घर के तहखाने में रख दिया जाता है। एक लड़की का एक्सीडेंट होता है। गाड़ी बर्फ में फंस जाती है। उसे एक आदमी अपने घर लाता है। लड़की गर्भवती है। घर की नि:संतान महिला को लगता है कि यदि यह लड़की बच्चे को यहां जन्म दे दे, तो वह बच्चे को हड़प लेगी और इस लड़की को ठिकाने लगा देगी। मगर उसका पति एक दिन उसकी अनुपस्थिति में उस लड़की को अस्पताल में छोड़ आता है। वहां लड़की का सगा भाई उसे मारने की कोशिश करता है। पहले भी वह लड़की के कार के ब्रेक खराब कर चुका है, क्योंकि वह उस आदमी से मिला हुआ है, जो लड़की का दुष्कर्मी है। ये पढ़ते-पढ़ते आप थरथराने लगते हैं कि ये कैसा समाज है। जहां हर कोई बस दूसरे की जान लेने की कोशिश में है। रिश्तों की कोई मर्यादा भी नहीं। अपने देश में होने वाली ऐसी बहुत-सी घटनाएं याद आने लगती हैं। अमेरिका तो कहता है कि वह पूरे विश्व का ठेकेदार है, लेकिन अपने यहां के अपराध नहीं रोके जाते। इन उपन्यासों में पुलिस बुलाते ही आ भी जाती है, लेकिन अधिकांश बार वह न तो अपराधी को पकड़ पाती है, न ही लाश को ढूंढ़ पाती है। और सबसे बड़ी बात ये कि अपराधी खूब मजे से, सारी सुविधाओं का लाभ उठाते हुए जीवन जीते हैं। पार्टी करते हैं। एक घर में रहते हुए भी वे एक-दूसरे को धोखा देते रहते हैं।

उन्हें कोई पछतावा भी नहीं होता। यहां घर बहुत बड़े-बड़े हैं। दूर-दूर तक कोई अड़ोसी-पड़ोसी भी नजर नहीं आता। ऐसे में लगता है कि कोई अपराध हो तो उसकी सूचना भी कैसे दी जाए। इसीलिए लोग अपने घरों में अलार्म सिस्टम लगवाते हैं। न्यूयार्क जिसे अमेरिका की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, वहां एक नहीं कई-कई ताले लगाए जाते हैं, लेकिन ताले या अलार्म सिस्टम अपराधों को नहीं रोक पाते। फिर वे अपराध रुकें भी कैसे, जिन्हें अपने ही अंजाम दे रहे हैं। इन्हें पढ़ते हुए सोचती रही कि बाहरी देशों में अमेरिका ने चतुराई से अपनी कैसी छवि बनाई है कि हम उसे इस धरती का स्वर्ग मानने लगे हैं, जबकि यदि नर्क जैसी कोई जगह होती हो, तो यह देश उससे भी बड़ा है। दुनियाभर में दरोगाई करके अमेरिका ने जितने अत्याचार किए हैं और कर रहा है, उसकी मिसाल मिलना दुर्लभ है। उपन्यास या कहानियों के बारे में कहा जाता है कि वे काल्पनिक होती हैं, लेकिन वे पूरी तरह से काल्पनिक भी नहीं होतीं।

मनुष्य की जीवन शैली में गड़बड़ी के कारण होती हैं हड्डियों में कई प्रकार की समस्याएं

शारीरिक निष्क्रियता

शारीरिक निष्क्रियता के कारण शरीर में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। हड्डियों को कमजोर करने में शारीरिक निष्क्रियता की बड़ी भूमिका मानी जाती है। सेडेंटरी लाइफस्टाइल के कारण कम उम्र में ही गठिया की दिक्कत हो सकती है। हड्डियों की समस्याओं को कम करने के लिए सूर्य के प्रकाश में भी रोजाना कुछ समय बिताने की आदत जरूर बनाएं।

हड्डियों को आपकी ये आदतें कर देंगी खोखला

जीवनशैली में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की समस्याओं के विकसित होने का खतरा रहता है, हड्डियों की बढ़ती समस्याओं के लिए भी इसे एक कारक के तौर पर देखा जा रहा है। हड्डियों का स्वस्थ रहना शरीर की संरचना और संतुलन को बेहतर बनाए रखने के लिए जरूरी है। हड्डियों की समस्या को सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कत नहीं रही है, कम उम्र के लोग भी इसके शिकार होते जा रहे हैं। लाइफस्टाइल की गड़बड़ी को हड्डियों की समस्याओं को बढ़ाने वाला माना जाता है, कुछ गड़बड़ आदतें आर्थराइटिस के जोखिम को बढ़ाने वाली हो सकती है। सभी लोगों को हड्डियों को स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। हड्डियों की समस्याओं से बचाव के लिए दिनचर्या को बेहतर बनाए रखने पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

धूम्रपान

धूम्रपान की आदत हड्डियों की कमजोरी का भी कारण बन सकती है। शोध के अनुसार, धूम्रपान करने वाली महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है जिससे समय पहले रजोनिवृत्ति हो सकती है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को भी बढ़ाने वाली स्थिति मानी जाती है। धूम्रपान के कारण हड्डियों का घनत्व भी कम होने लग जाता है। धूम्रपान संपूर्ण शरीर के लिए बहुत नुकसानदायक आदत मानी जाती है। धूम्रपान करने वालों में फेफड़ों के कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इस बीमारी से मौत का जोखिम किसी भी अन्य कैंसर की तुलना में अधिक होता है। यह फेफड़ों की गंभीर बीमारी है, जिसमें सांस लेने में दिक्कत होती है। वायुमार्ग सिकुड़ने से शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती. अनुमान है कि सीओपीडी के 85-90 प्रतिशत मामले धूम्रपान से जुड़े होते हैं।

करें ये उपाय

आहार और जीवनशैली को स्वस्थ रखकर हड्डियों को स्वस्थ रखा जा सकता है। गड़बड़ आदतों के चलते ऑस्टियोपोरोसिस या आर्थराइटिस का खतरा रहता है। सभी आयु वाले लोगों को हड्डियों को स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहने चाहिए। इसके लिए जीवनशैली और आहार को स्वस्थ रखना बहुत आवश्यक है। आहार में हरी सब्जियों को शामिल करें और नियमित रूप से योग-व्यायाम की आदत बनाएं। भोजन में कैल्शियम और विटामिन-डी से भरपूर चीजें अवश्य हों। हड्डियों की बीमारियों से बचाव के लिए शराब-धूम्रपान से बिल्कुल दूरी बनाकर रखें।

हंसना मना है

रुपेश: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश : हां जी हां.. पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार से किसी ने पुछा: क्यों टेंशन मे हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा- वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा- आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल.. पे.. चप्पल!

एक औरत अपनी पड़ोसन को बता रही थी तुझे पता है, 20 साल तक मेरी कोई औलाद नहीं हुई, पड़ोसन हैरानी से : तो फिर तूने क्या किया? औरत : फिर मैं 21 साल की हुई तो मेरे पापा ने मेरी शादी कर दी, फिर जा के मुन्ना हुआ। पड़ोसन खड़े खड़े बेहोश हो गयी।

कहानी | अभिमन्यु का वध

कुरुक्षेत्र में एक दिन कौरवों ने छल से युद्ध जीतने के लिए एक रणनीति बनाई। कि वो अर्जुन को युद्ध में उलझाकर चारों भाइयों से दूर ले जाएंगे और फिर युधिष्ठिर को बंदी बनाकर युद्ध जीत लेंगे। अब युद्ध वाले दिन कौरव सेना की एक टुकड़ी अर्जुन से युद्ध करते हुए उन्हें रणभूमि से दूर ले गई। वहीं, गुरु द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर को बंदी बनाने के लिए चक्रव्यूह की रचना की, जबकि पांडवों में सिर्फ अर्जुन को पता था कि चक्रव्यूह को कैसे तोड़ना है। द्रोणाचार्य ने पांडवों को ललकारते हुए कहा कि या तो युद्ध लड़ो या फिर हार मान लो। यदि युद्ध न करते तो भी हार जाते और युद्ध करते तो भी हार निश्चित थी। अब युधिष्ठिर को कुछ सूझ नहीं रहा था कि क्या करें और क्या न करें। उसी समय युधिष्ठिर के सामने अर्जुन का पुत्र अभिमन्यु खड़ा हुआ और कहा, काकाश्री, मुझे चक्रव्यूह को तोड़ने और युद्ध करने का आशीर्वाद दीजिए। सभी जानते थे कि वह युद्ध कौशल में अपने पिता के जैसा ही निपुण है। युधिष्ठिर ने अभिमन्यु को मना किया, लेकिन अभिमन्यु नहीं माना और उसने कहा, मुझे चक्रव्यूह तोड़ना आता है। जब मैं अपनी मां के गर्भ में था, तो पिता ने मां को चक्रव्यूह तोड़ने का तरीका बताया था। बस तभी मैंने इसे सीख लिया था। मैं आगे रहूंगा और आप सब मेरे पीछे-पीछे आइए। इस तरह युद्ध में सबसे आगे अभिमन्यु था और बाकी सब उसके पीछे। अभिमन्यु को रणक्षेत्र में देखकर कौरव मजाक उड़ाने लगे कि यह छोटा बालक क्या युद्ध करेगा, लेकिन जब उन्होंने अभिमन्यु के युद्ध कौशल को देखा, तो उनके पसीने छूट गए। आगे बढ़ते हुए अभिमन्यु ने दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण को मार गिराया और चक्रव्यूह में प्रवेश कर गया। उसके चक्रव्यूह में प्रवेश करते ही सिंधू के राजा जयद्रथ ने चक्रव्यूह का द्वार बंद कर दिया, ताकि चारों भाई चक्रव्यूह में प्रवेश न कर पाएं। अभिमन्यु आगे बढ़ता जा रहा था। उसने एक-एक करके सभी योद्धाओं को हरा दिया। किसी को कोई उपाय समझ नहीं आ रहा था, तभी कौरवों के सभी महारथियों ने एकसाथ मिलकर अभिमन्यु पर हमला कर दिया। किसी ने उसका धनुष तोड़ दिया, तो किसी ने रथ। फिर उसने रथ का पहिया उठाकर युद्ध करना शुरू कर दिया। आखिर वह अकेला कब लड़ता। अंत में सभी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और अभिमन्यु वीर गति को प्राप्त हुआ। अभिमन्यु की मृत्यु के बाद अर्जुन ने प्रतिज्ञा ली कि वह अगले दिन युद्ध में जयद्रथ का वध कर देगा। आज शूरवीर अभिमन्यु का नाम कर्ण और अर्जुन से भी पहले सम्मान के साथ लिया जाता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पूंजी निवेश बढ़ेगा। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कन्या

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। सेहत को लेकर सचेत रहें।

धनु

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुम्भ

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। भाइयों की मदद मिलेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, अपना ध्यान रखें। प्रमाद न करें।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

रिलीज हुआ चिरैया का ट्रेलर, दमदार किरदार में नजर आईं दिव्या दत्ता

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

कुछ कहानियां अजीब होती हैं, फिर भी जरूरी होती हैं। दिव्या दत्ता और संजय मिश्रा की अदाकारी वाली वेब सीरीज चिरैया का ट्रेलर कुछ इसी तरह की कहानी बता रहा है। इसकी कहानी भारतीय समाज के सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक को दिखाती है।

1 मिनट 43 सेकेंड के ट्रेलर में यह बताने की कोशिश की गई है कि एक पति अपनी पत्नी के ऊपर अपना अधिकार समझता है और उसके साथ जबरदस्ती करता है। वह पति दिव्या दत्ता का भाई होता है। पत्नी अपनी परेशानी दिव्या दत्ता से बताती है। दिव्या दत्ता उसका साथ देती हैं। हालांकि

दिव्या के पति (संजय मिश्रा) इस मामले में उनका साथ नहीं देते हैं। इसके बाद मामला अदालत में पहुंचता है।

चिरैया का ट्रेलर एक मैसेज देता है कि शादी का मतलब सहमति नहीं है। एक महिला की आवाज को समाज की परंपराओं से मिटाया नहीं जा सकता। अपनी इमोशनल कहानी के जरिए, शो वर्षों से चली आ रही मान्यताओं पर सवाल उठाता है। चिरैया वेब सीरीज शशांत शाह के निर्देशन में बनी है। SVF एंटरटेनमेंट ने इसे बनाया है। इसमें दिव्या दत्ता के अलावा संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनू आनंद, सरिता जोशी जैसे कलाकार हैं। चिरैया 20 मार्च को स्ट्रीम होगी।

भागम भाग 2 तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ेगी : राज शांडिल्य

अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर 'भागम भाग 2' को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग भी मार्च के महीने में ही शुरू होने वाली थी। लेकिन अचानक फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच लीगल टसल शुरू हो गई। जिसके चलते अब शूटिंग फिलहाल टल गई है। एकता कपूर से लीगल नोटिस मिलने के बाद अब निर्देशक राज शांडिल्य ने एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें अविश्वास का सामना करना पड़ा।

राज शांडिल्य ने 2019 में एकता कपूर के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट किया था। लेकिन बाद में निर्देशक ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद एकता

कपूर ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। अब राज ने वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में अपना बयान साझा किया है।

रिपोर्ट में इस मामले पर राज के बयान में कहा गया, 'मैंने अपने संविदात्मक अधिकारों (कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स) के अनुसार, बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस को जारी किए हुए अब दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। अगर बालाजी टेलीफिल्म्स को लगता कि उनके पास कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वो कोर्ट में जा सकते हैं। ऐसी कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। इसके बजाय, अब जो सामने आया है वह मामले को तूल देने और गलत क्रिमिनल आरोप लगाने का प्रयास है। ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस मामला न होने का एहसास होने के बाद डराने-धमकाने का एक प्रयास मात्र प्रतीत होते हैं।' निर्देशक के बयान में आगे कहा गया, 'मुझे अपनी कानूनी स्थिति पर पूरा भरोसा है और मैं ऐसे किसी भी आरोप का उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से जवाब दूंगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि फिल्म भागम भाग 2 अपने तय समय पर चल रही है और प्रोजेक्ट निर्धारित समय पर आगे बढ़ेगा। फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री के मेंबर इस तरह के दबाव बनाने के तरीकों पर ध्यान दें। भविष्य में पेशेवर संबंधों का निर्णय लेते समय अपने निष्कर्ष निकालें। इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि राज को प्रोडक्शन हाउस के साथ कम्युनिकेशन के तरीके से असहजता महसूस हुई।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपने पति के नक्शेकदम पर चलना चाहती हूं: ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं। ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है। उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।' हालांकि ऋचा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पूरी तरह नए नहीं हैं। वह पहले भी इंडियन-मेक्सिकन-अमेरिकन फिल्म 'वर्ड्स विद गॉड्स' (2014), इंडियन-फ्रेंच को-प्रोडक्शन 'मसान' (2015) और इंडो-अमेरिकन फिल्म 'लव सोनिया' (2018) में काम कर चुकी हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली थी।

इस गांव की है नोखी परंपरा, सूरज ढलते ही कर देते हैं होलिका दहन

होली के त्यौहार को मानने को लेकर देश भर में अलग-अलग परंपराएं हैं। देश के ज्यादातर हिस्सों में होलिका दहन किया जाता है और उसका एक मुहूर्त होता है। लेकिन, सीकर जिले में एक ऐसा गांव है जहां पर आज तक होलिका दहन मुहूर्त के हिसाब से नहीं हुआ। यहां केवल सैकड़ों साल पुरानी परंपरा के हिसाब से आज भी होलिका दहन होता है। फतेहपुर उपखंड के गांगियासर गांव में होली का दहन प्रदेश में इस बार सबसे पहले होता है। यहां सूर्यास्त के साथ ही होलिका दहन कर दिया जाता है। इस गांव में सैकड़ो वर्षों से यही परंपरा चल रही है।

इतना ही नहीं यहां पूरा गांव एक साथ होली का दहन करता है। जिसमें कोई उच्च नीच का भेदभाव नहीं देखा जाता और गांव के सभी समाज के लोग एक साथ होलिका दहन करते हैं। इसमें गांव की जाट, ब्राह्मण, मेघवाल और अन्य समाजों के लोग एक साथ मिलकर होलिका दहन करते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि उनके गांव में आज तक होली का दहन मुहूर्त के हिसाब से नहीं हुआ बल्कि हमेशा ही परंपरा के हिसाब से हुआ है। इस गांव की परंपरा है कि यहां पर दोपहर बाद गांव के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग चंग ढप लेकर अपने-अपने घरों से निकलते हैं। यह लोग गांव के गुवाड़ में एक जगह इकट्ठा होते हैं जिसमें सैकड़ो की संख्या में महिलाएं भी साथ होती है। महिलाएं अपने-अपने घर से पारंपरिक गीत गाती हैं। गीत गाते और चंग ढप बजाते पुरुष और महिलाएं होलिका दहन के लिए जाते हैं और वहां पर दहन करने के बाद वापस एक साथ लौटते हैं इसके बाद गांव में होली के कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

आज के दौर में जहां जातिगत भेदभाव और अन्य सामाजिक बुराइयां बढ़ती जा रही है, उसमें इस गांव के लोग एक मिसाल पेश कर रहे हैं। इस गांव के लोगों का कहना है कि उनके यहां हर त्यौहार अपनी परंपरा के हिसाब से मनाया जाता है यहां पर दिवाली की पूजा भी कभी मुहूर्त के हिसाब से नहीं की जाती शाम को अंधेरा होने के बाद सब अपने अपने घर में दिवाली की पूजा करते हैं। आज होली के दिन सूर्यास्त के साथ ही गांव में दहन कर दिया गया।

अजब-गजब | बेहद अजीब है भारत की इस जनजाति की परंपरा!

यहां एक ही औरत से शादी कर लेते थे सारे भाई

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां मौजूद हैं, जिनकी परंपराएं बेहद ही अजीब और चौंकाने वाली हैं। इस लिस्ट में भारत की भी कुछ जनजातियां शामिल हैं। आज हम आपको ट्राइब्स एंड ट्रेडिशंस सीरीज के तहत तमिलनाडु में नीलगिरी की पहाड़ियों के बीच बसे एक ऐसे ही समुदाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी परंपराएं और मान्यताएं सुनकर किसी का भी सिर चकरा सकता है। यह है 'टोडा जनजाति '। 2011 की जनगणना के मुताबिक, इनकी कुल आबादी महज दो हजार के करीब बची है। टोडा समुदाय के लोग द्रविड़ भाषा-परिवार की अपनी एक खास 'टोडा भाषा' बोलते हैं, जो इतनी जटिल है कि इसे समझना हर किसी के बस की बात नहीं। लेकिन इस समाज की सबसे हैरान करने वाली बात इनकी उत्पत्ति की कहानी है।

इनकी मान्यता है कि उनके देवता 'ओन' ने सबसे पहले पृथ्वी से पवित्र भैंसों को बाहर निकाला था और जब आखिरी भैंस बाहर निकल रही थी, तो उसकी पूंछ पकड़कर पहले 'टोडा पुरुष' का जन्म हुआ। बाद में उसी पुरुष की पसली से पहली महिला बनाई गई। यही वजह है कि टोडा समाज के जीवन का केंद्र ही 'भैंस' है और वे इसे सबसे पवित्र जीव मानते हैं। टोडा जनजाति की बस्तियों को 'मंड' कहा जाता है, जो किसी फिल्म के सेट जैसी लगती हैं। यहां 'डोगल्स' नामक आधे बैरल या ढोल के आकार की अनोखी झोपड़ियां होती हैं। ये झोपड़ियां बांस से

बनी होती हैं और इनकी छत सूखी घास से ढकी होती है। ताज्जुब की बात यह है कि इन झोपड़ियों का दरवाजा जानबूझकर इतना छोटा रखा जाता है कि इंसान को भी अंदर जाने के लिए रेंगना पड़ता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि रात के समय जंगली जानवर अंदर न घुस सकें।

डा जनजाति की सामाजिक संरचना ऐतिहासिक रूप से 'बहुपति प्रथा' पर आधारित थी यानी एक ही परिवार के सभी भाई मिलकर एक ही महिला से शादी करते थे। जब महिला गर्भवती होती थी, तो एक खास समारोह में उसे लकड़ी का बना धनुष-बाण दिया जाता था। यह रस्म तय करती थी कि आने वाले बच्चे का सामाजिक पिता कौन होगा। हालांकि, आधुनिक समय और शिक्षा के प्रभाव से अब यह प्रथा लगभग खत्म हो चुकी है। यह समाज दो वर्गों 'तेइवालिओल' और 'तरथरोल' में बंटा हुआ है, जिनके अपने-अपने रीति-रिवाज और धार्मिक स्थल होते हैं। सदियों से ये लोग नीलगिरि के अन्य समुदायों जैसे बडागा और कोटा के साथ अनाज और औजारों के बदले दूध और मक्खन का लेन-देन करते आए हैं। इनका पूरा धर्म भैंसों और दूध के इर्द-गिर्द घूमता है। इनके लिए भैंसों से दूध निकालने वाली जगह किसी मंदिर से कम नहीं है।

दूध दुहना और मक्खन मथना इनके लिए केवल काम नहीं, बल्कि एक पवित्र अनुष्ठान है। इन कार्यों के लिए विशेष पुजारी नियुक्त किए जाते हैं, जिन्हें बहुत ही कड़े नियमों का पालन करना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर इन पुजारियों को नदी पार करने के लिए पुल का इस्तेमाल करना सख्त मना है। टोडा धर्म में लगभग 1800 देवी-देवता माने जाते हैं, जिनमें देवी टोकिस्य और पाताल के देवता ओन सबसे प्रमुख हैं। इनके सबसे महत्वपूर्ण समारोहों में 'कोना शास्त्र (बछड़े की बलि)' और अंतिम संस्कार शामिल हैं, जहां मृतक के साथ परलोक जाने के लिए भैंसों की बलि दी जाती है। खान-पान के मामले में टोडा लोग पारंपरिक रूप से पूरी तरह शाकाहारी होते हैं। इनका मुख्य भोजन चावल है, जिसे ये ताजे दूध, दही और मक्खन के साथ खाते हैं। टोडा जनजाति का पूरा क्षेत्र अब नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है, जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

भारतीय शिक्षा प्रणाली पर आरएसएस व भाजपा का कब्जा : राहुल

कांग्रेस सांसद बोले- भारत एआई में कुछ नहीं बना रहा

» कहा- एआई के क्षेत्र में दो ही खिलाड़ी, एक अमेरिका और दूसरा चीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा पर वैचारिक हमला हो रहा है और एक खास तरह की विचारधारा थोपी जा रही है। उन्होंने केरल के मारियन कॉलेज कुट्टिक्कानम में छात्रों से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अगर आप कुलपतियों को देखें, तो उनमें से बड़ी संख्या में कुलपति इसलिए बनाए जाते हैं क्योंकि वे आरएसएस से जुड़े हैं। बेशक, इसे रोकना होगा। भारतीय शिक्षा प्रणाली को विशेष रूप से आरएसएस के विभाजनकारी दृष्टिकोण तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता ने दावा किया कि भारत एआई के आगमन में सफल नहीं रहा है, और ऐसा प्रतीत होता है कि वे प्रधानमंत्री पर कटाक्ष कर रहे थे, जिन्होंने देश की क्षमता और भविष्य में वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली देश बनने के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया था।

राहुल गांधी ने बातचीत के दौरान कहा, एआई के क्षेत्र में दो ही खिलाड़ी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन। दुर्भाग्य से, भारत रोबोटिक्स, एआई या आधुनिक प्रौद्योगिकी, किसी भी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी नहीं है। निश्चित रूप से, अमेरिका या चीन की तुलना में तो बिल्कुल भी नहीं। आपने एआई शिखर सम्मेलन में ही देखा कि एक चीनी रोबोट भारतीय रोबोट होने का दिखावा कर रहा था। अगर आप एआई में शक्तिशाली बनना चाहते हैं, तो आपको अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा... प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में किए गए अमेरिकी समझौते के तहत हमारा सारा डेटा संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया है... हमने पिछले कुछ हफ्तों में एआई में अपनी क्षमता को बहुत नुकसान पहुंचाया है। सेवा और सॉफ्टवेयर उद्योग में नौकरियां, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार थीं, एआई के कारण खत्म हो जाएंगी। मुझे चिंता है कि डेटा, विनिर्माण और गतिशीलता के क्षेत्र में एक परिवर्तन हो रहा है, और हम बस इसे देख रहे हैं। राहुल ने हाल ही में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भी कटाक्ष किया, जिसकी विपक्ष ने किसानों के खिलाफ जाने का दावा करते हुए कड़ी आलोचना की है।

चाय के बागानों में महिलाओं के बीच पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

राहुल अपनी केरल यात्रा के दौरान एक बार फिर अपने चिर-परिचित जन-संपर्क वाले अंदाज में नजर आए। तिरुवनंतपुरम रवाना होने से पहले राहुल ने इडुक्की जिले के पीरुमाडे में स्थित ग्लेमेरी एस्टेट में चाय बागान की महिला श्रमिकों के साथ समय बिताया। जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी हेलीकॉप्टर से रवाना होने के लिए जा रहे थे। रास्ते में जब उन्होंने चाय के बागानों में महिलाओं के एक समूह को काम करते देखा, तो उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवाने का निर्देश दिया। उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल और सांसद डीन कुरियाकोस भी मौजूद थे। राहुल गांधी ने महिला श्रमिकों से बातचीत की और उनके मेहनताने एवं चाय की पत्तियां तोड़ने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। महिला कामगारों ने कांग्रेस नेता को अपने काम के बारे में समझाया और उन्हें दिखाया कि चाय की पत्तियां तोड़ने वाली मशीन का उपयोग कैसे किया जाता है। बातचीत के बाद राहुल ने वहां से रवाना से पहले श्रमिकों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। राहुल छात्रों से बातचीत करने के लिए शुक्रवार को कुट्टिक्कानम स्थित मरियन कॉलेज पहुंचे थे। वह शुक्रवार रात पीरुमाडे के एक रिसॉर्ट में रुके थे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शनिवार सुबह तिरुवनंतपुरम रवाना हुए।

फिल्म, टेलीविजन और मीडिया का हथियार के रूप में हो रहा प्रयोग

कांग्रेस के आधिकारिक एक्स ने राहुल गांधी की ओर से एक पोस्ट में लिखा है, वास्तव में कोई भी केरल स्टोरी नहीं देख रहा है। यह दिखाता है कि इस देश के अधिकांश लोग केरल को समझते हैं और इसकी परंपराओं और संस्कृति की सराहना करते हैं। इस नोट में यह भी दावा किया गया है, फिल्मों, टीवी और मीडिया का दुरुपयोग हथियार के रूप में किया जा रहा है। राहुल गांधी ने टिप्पणी की कि फिल्म को कोई देख ही नहीं रहा। वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी की पत्नी ने फिल्म का बचाव करते हुए इसे समाज का दर्पण बताया। पोस्ट में लिखा है, इनका इस्तेमाल लोगों को बदनाम करने, समुदायों को अलग-थलग करने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए किया जा रहा है, ताकि कुछ समूहों को फायदा हो जबकि अन्य को नुकसान पहुंचे। नोट में आगे लिखा है, अगर कोई व्यक्ति किसी खास तरह की फिल्म बनाना चाहता है, मीडिया में कुछ कहना चाहता है या किसी खास विचार का बचाव करना चाहता है, तो उस पर हमला किया जाता है और अक्सर उसे बोलने नहीं दिया जाता। मैं इसका लगातार अनुभव करता हूं। नोट में आगे यह भी जोड़ा गया है, दूसरी ओर, कुछ खास विचारों को जितना चाहे उतना फैलाया और प्रचारित किया जा सकता है, और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला कल

» टी20 विश्वकप में न्यूजीलैंड से एक भी मैच नहीं जीती है भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप 2026 का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच आठ मार्च को अहमदाबाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को और न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। गत चैंपियन भारतीय टीम खिताब का बचाव करने से एक कदम दूर है, जबकि कीवी टीम अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब जीतने की जुगत में है। भारत के लिए फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद मुश्किल है। इसकी वजह टी20 विश्व कप का इतिहास है, जो न्यूजीलैंड के पक्ष में है। भारतीय टीम टी20 विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ कभी नहीं जीती है। दोनों देशों के बीच अब तक तीन मैच खेले गए हैं और तीनों ही मैचों में न्यूजीलैंड को जीत मिली है।

ओवरऑल आंकड़े पर गौर करें तो टी20 में भारतीय टीम का न्यूजीलैंड के खिलाफ पलड़ा भारी है। दोनों देशों के बीच अब तक 30 मैच खेले गए हैं। भारतीय टीम ने 18 मैच जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड को 11 मैचों में सफलता मिली है। एक मैच टाई रहा है। टीम इंडिया के पास न्यूजीलैंड को आठ मार्च को हराकर जीत का इंतजार समाप्त करने और लगातार दूसरा टी20 विश्वकप का खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का अवसर है। हालांकि अभिषेक शर्मा का फार्म भारत के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। क्योंकि उनके लिए ये वर्ल्डकप किसी बुरे सपने की तरह रहा है। सात पारियों में कुल मिलाकर 89 रन ही बना सके हैं। ग्रूप स्टेज में खेले तीन मुकाबलों में अभिषेक का खाता तक नहीं खुल सका था।

भारत के फॉर्म में लौटे बल्लेबाज गेंदबाज साबित हो रहे महंगे

भारतीय बल्लेबाज टूर्नामेंट में अच्छी लय में दिखाई दिए हैं, लेकिन गेंदबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए फाइनल से पहले चिंता का सबब बन गया है। टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा है। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी काबिलियत को साबित करके दिखाया है। ईशान किशन भी अच्छी लय में दिखाई दिए हैं। वहीं अर्शदीप सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। सात मुकाबलों में अर्शदीप ने महज नौ विकेट निकाले हैं। वहीं टी20 विश्वकप 2026 के आगाज से पहले वरुण चक्रवर्ती को टीम इंडिया का सबसे बड़ा मैच विनर बताया जा रहा था। हालांकि, वरुण ने भारतीय फैंस को अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है। वरुण बड़े मुकाबले और अच्छी टीमों के खिलाफ बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए हैं।

परिवार नहीं, कौशल बढ़ाओ : मणिकम

» आंध्र प्रदेश सरकार की प्रस्तावित जनसंख्या नीति पर भड़की कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा घोषित प्रस्तावित जनसंख्या नीति पर चिंता व्यक्त की, जिसमें तीसरे या उससे अधिक बच्चे होने पर परिवारों को 25,000 रुपये का प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। टैगोर ने एक्स पर एक पोस्ट में नीति के औचित्य पर सवाल उठाते हुए जोर दिया कि आज सरकारों की प्राथमिकता एक कुशल कार्यबल का निर्माण करना होना चाहिए जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और स्वचालन जैसी प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के अनुकूल हो सके।

नीति के मसौदे का जिक्र करते हुए टैगोर ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने बड़े परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का प्रस्ताव तो रखा है, लेकिन यह कदम नीति की दिशा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है। यह ऐसे समय में किया जा रहा है जब दुनिया भर के देश ऐसे भविष्य की तैयारी कर रहे हैं जहां तकनीकी प्रगति के कारण कई पारंपरिक नौकरियां लुप्त हो सकती हैं। टैगोर ने एक्स शीर्षक से लिखा, एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने एक जनसंख्या नीति का मसौदा पेश किया है जिसमें तीसरे बच्चे के लिए 25,000 रुपये और बड़े परिवारों के लिए अन्य प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। इससे एक गंभीर और चिंताजनक सवाल उठता है। ऐसे समय में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और स्वचालन तेजी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रहे हैं, देश ऐसे भविष्य की तैयारी कर रहे हैं जहां कई पारंपरिक नौकरियां लुप्त हो सकती हैं।

भारत पहले से ही जनसंख्या में सबसे बड़ा देश है

आज सरकारों के सामने असली चुनौती ऐसे कुशल नागरिक तैयार करना है जो इस नई अर्थव्यवस्था में टिक सकें और तरक्की कर सकें। उन्होंने तर्क दिया कि भारत पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और आने वाले दशकों तक सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक रहने की उम्मीद है। देश की असली चुनौती जनसंख्या का आकार नहीं बल्कि हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले लाखों युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार और अवसरों की कमी है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पर विश्वास न करें: खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कड़ी आलोचना की। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें 7 मार्च से बढ़ा दी गई हैं। 14.2 किग्रा के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये और 19 किग्रा के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 115 रुपये की वृद्धि हुई है।

पवन खेड़ा ने लिखा कि कल, हरदीप सिंह ने कहा था हमारी प्राथमिकता अपने नागरिकों के लिए किफायती और टिकाऊ ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, और आज, कीमतों में वृद्धि हुई है। इसलिए हरदीप सिंह पुरी की किसी भी बात पर विश्वास न करें।

मान सरकार ने जनता से की वादा खिलाफी: वारिंग

» आप के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब भर से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ जनता से किए गए वादों को पूरा न करने के विरोध में एक विशाल प्रदर्शन किया। पीपीसी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने के वादे का जिक्र किया, जिसे पूरा नहीं किया गया है, और मांग की कि सरकार चार साल के बकाया के साथ इसका भुगतान करे। वडिंग ने सरकार की व्यापक विफलता, राज्य में कानून-व्यवस्था और अर्थव्यवस्था के चरमरा जाने के लिए उसकी कड़ी आलोचना की।

कांग्रेस ने बजट सत्र के पहले दिन पंजाब विधानसभा का घेराव करने की योजना बनाई थी। पार्टी कार्यकर्ता पंजाब विधानसभा की ओर मार्च करने से पहले कांग्रेस भवन के बाहर जमा हुए थे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और विधानसभा तक पहुंचने से रोक दिया, जिसकी सुरक्षा किसी छावनी की तरह कड़ी कर दी गई थी।

बांग्लादेश, श्रीलंका के बाद नेपाल में पॉलिटकल रीसेट

जेनजी सरकार का उभार लेकिन प्रचंड की चुनौती बरकरार, केपी ओली समेत तमाम पुराने नेता धराशाई, नई सियासी अंगड़ाई

» जेन-ज़ी का उभार, पुराने किले ढहे-क्या भारत के सामने नई चुनौती?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्तहीन क्रांति के बाद हुए नेपाल में आम चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। बंग्लादेश के बाद नेपाल में भी सत्ता का बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। जिस प्रकार से बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सरकार बनाती दिखाई दे रही है। पूर्व पीएम केपी ओली समेत तमाम बड़े नेता चुनाव हार चुके हैं वहीं प्रचंड की जीत नेपाल में सियासी तापमान को बढ़ा सकती है।

दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया भूचाल आकार ले रहा है। सत्ता के पुराने स्तंभ दरक रहे हैं और उनकी जगह नई पीढ़ी की राजनीति तेजी से उभर रही है। नेपाल में हुए आम चुनावों के नतीजे इसी बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। रक्तहीन क्रांति के बाद हुए इस चुनाव में पारंपरिक दलों की पकड़ ढीली पड़ती दिखाई दे रही है जबकि काठमांडू के युवा मेयर से राष्ट्रीय नेता बने बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी तेजी से आगे बढ़ती दिख रही है।

इन घटनाओं को जोड़कर देखें तो एक बड़ा ट्रेंड साफ दिखाई देता है कि दक्षिण एशिया में सत्ता के खिलाफ नई पीढ़ी का उभार तेजी से हुआ है। और इसी कारण नेपाल का यह चुनाव भारत के लिए भी महत्वपूर्ण बन जाता है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण

जब पुरानी राजनीति की दीवारें ढह रही है। नेपाल की राजनीति लंबे समय से कुछ सीमित चेहरों के इर्द ही गिर्द घूमती रही है। केपी ओली और प्रचंड नेपाली कांग्रेस के नेता इन नेताओं ने दशकों तक सत्ता और विपक्ष की राजनीति को नियंत्रित किया। लेकिन इस चुनाव ने यह संकेत दे दिया है कि जनता अब नई राजनीति चाहती है। युवा मतदाताओं ने बड़े पैमाने पर पारंपरिक दलों से दूरी बनाई। इसका फायदा सीधे तौर पर नई राजनीतिक ताकतों को मिला।

सिर्फ नेपाल का चुनाव नहीं

यह सिर्फ नेपाल का चुनाव नहीं है। यह दक्षिण एशिया की उस बदलती राजनीति का हिस्सा है जहां जनता खासकर युवा मतदाता दशकों से सत्ता में जमे नेताओं को चुनौती दे रहे हैं। चुनावी तस्वीर साफ संकेत दे रही है कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली जैसे पुराने दिग्गजों का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। कई बड़े नेता चुनावी मैदान में धराशायी हो चुके हैं। लेकिन कहानी इतनी सरल भी नहीं है। नेपाल की राजनीति में एक और बड़ा नाम पुष्प कमल दहल अब भी निर्णायक बना हुआ है। जिन्हें दुनिया प्रचंड के नाम से जानती है। उनकी जीत यह दिखाती है कि पुराने राजनीतिक खिलाड़ी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। बल्कि वे नई राजनीतिक ताकतों के सामने अब भी चुनौती बनकर खड़े हैं।

कई देशों में हो चुका है सत्ता परिवर्तन

नेपाल की यह सियासी करवट अकेली नहीं है। हाल के वर्षों में दक्षिण एशिया के कई देशों में सत्ता के खिलाफ जनता का असंतोष खुलकर सामने आया है। बालेन शाह में लंबे समय से चल रही सत्ता के खिलाफ छात्र आंदोलनों ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए। श्रीलंका में आर्थिक संकट ने जनता को सड़कों पर ला दिया और सत्ता परिवर्तन का रास्ता बना। वहीं पाकिस्तान में भी सत्ता और जनता के बीच टकराव लगातार बढ़ता रहा है।

बालेन शाह का उदय

काठमांडू के मेयर के रूप में लोकप्रियता हासिल करने वाले बालेन शाह ने खुद को एंटी एस्टैब्लिशमेंट चेहरे के रूप में पेश किया। उनकी राजनीति के कुछ प्रमुख बिंदु भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख, पारंपरिक दलों से दूरी और युवा नेतृत्व की बात। यही कारण है कि उनकी पार्टी को तेजी से समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। नेपाल में पहली बार ऐसा लग रहा है कि राजनीति का केंद्र पुराने दलों से हटकर नई पीढ़ी की ओर शिफ्ट हो सकता है।

प्रचंड की मौजूदगी

हालांकि नई राजनीति के इस उभार के बीच प्रचंड की जीत यह संकेत देती है कि नेपाल का राजनीतिक संक्रमण अभी अधूरा है। प्रचंड का आधार अब भी मजबूत है खासकर उन क्षेत्रों में जहां माओवादी आंदोलन का प्रभाव रहा है। यानी नेपाल की राजनीति अब दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है एक तरफ नई पीढ़ी की राजनीति दूसरी तरफ पुराने राजनीतिक ढांचे का प्रभाव।

जदयू की कमान अगली पीढ़ी को सौंपने की तैयारी

» नीतीश कुमार के बेटे निशांत कल जदयू में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासत में पिछले दो दशकों से अजेय रहे नीतीश कुमार ने अब अपनी विरासत की कमान अगली पीढ़ी को सौंपने का मन बना लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इकलौते बेटे निशांत कुमार कल यानी रविवार (8 मार्च) को औपचारिक रूप से जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होंगे। इसके साथ ही चर्चा यह भी है कि उन्हें राज्य की नई सरकार में उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी जा सकती है।जेडी(यू) के वर्कर्स और लीडर्स लगातार मांग कर रहे हैं कि निशांत को पॉलिटिक्स में आना चाहिए।

यह मांग शुक्रवार की मीटिंग के दौरान एक बार फिर उठाई गई, जिसमें पार्टी लीडर्स ने कहा कि निशांत अपने पिता की जगह लेने के लिए सबसे अच्छे चॉइस होंगे। खास बात यह है कि मीटिंग के दौरान, नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि राज्यसभा मेंबर बनने के बाद भी वह पार्टी पर नजर रखेंगे। नीतीश के अपर हाउस जाने के साथ, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का बिहार में पहली बार अपना मुख्यमंत्री बनना तय है। साथ ही, शुक्रवार को सूत्रों ने बताया कि निशांत को राज्य में डिप्टी मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। यह भी मांग की जा रही है कि नीतीश को जेडीयू चीफ बनाया जाए, क्योंकि उनके आने से पार्टी में फूट से बचा जा सकता है। जेडीयू के टॉप पोस्ट के लिए कुछ और नामों पर भी बात हो रही है, जिनमें यूनियन मिनिस्टर ललन सिंह, बिहार के मिनिस्टर अशोक चौधरी और विजय चौधरी, और संजय कुमार झा शामिल हैं।

बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार अब राज्यसभा जाएंगे। गुरुवार को उन्होंने कहा कि उनके पॉलिटिकल करियर की शुरुआत से ही उनकी इच्छा थी कि वे पार्लियामेंट के दोनों हाउस और बिहार लेजिस्लेचर के दोनों हाउस के मेंबर बनें। लेकिन उन्होंने कहा है कि वे बिहार में अगली सरकार को अपना पूरा सपोर्ट और सहयोग देंगे।

बिहार से मेरा रिश्ता भविष्य में भी बना रहेगा : नीतीश कुमार

उन्होंने हिंदी में एक्स पर पोस्ट किया, दो दशक से ज्यादा समय से, आपने लगातार मुझ पर अपना भरोसा और सपोर्ट दिखाया है, और इसी भरोसे के दम पर हमने बिहार और आप सभी की पूरी लगन से सेवा की है। यह आपके भरोसे और सपोर्ट की ताकत थी जिसने आज बिहार को विकास और सम्मान का एक नया आयाम दिया है। उन्होंने कहा, मैं आपको पूरी ईमानदारी से भरोसा दिलाना चाहता हूं कि आपके साथ मेरा रिश्ता भविष्य में भी बना रहेगा और एक विकसित बिहार बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने का मेरा इरादा पक्का रहेगा। जो नई सरकार बनेगी, उसे मेरा पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा।

बिहार में राष्ट्रपति शासन और सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की तैयारी : पप्पू यादव

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार की राजनीति में एक नया राजनीतिक मुद्दा खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि आने वाले समय में बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है और इसके बाद सीमांचल क्षेत्र तथा पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना पर काम हो रहा है। सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पहले पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की रणनीति बनाई जा सकती है। इसके बाद बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर सीमांचल इलाके के साथ पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को जोड़कर एक नया प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसी बड़ी रणनीति के तहत बिहार में सत्ता परिवर्तन और प्रशासनिक फेरबदल की चर्चाएं भी चल रही हैं। पप्पू यादव की पोस्ट के अनुसार सीमांचल और मालदा, मुर्शिदाबाद, रायगंज दिनाजपुर आदि जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने का खेल बीजेपी करने वाली है। नीतीश जी को हटाने और लेफ्टिनेंट जनरल राज्यपाल लाने के पीछे का यह खेल है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। उनके हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते उसमें धुआं भरने लगा। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई।

डिप्टी सीएम को सुबह करीब 11:30 बजे कौशाम्बी पहुंचना था, जहां पार्टी पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक प्रस्तावित थी। इसके अलावा उन्हें विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी करना था। वह ला-माटीनियर ग्राउंड से हेलीकॉप्टर से रवाना हुए थे। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण हेलीकॉप्टर में धुआं फैलने लगा। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई। समय रहते हेलीकॉप्टर को उतार लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। डिप्टी सीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं।

राजस्थान में सुबह-सुबह आया भूकंप, कोई नुकसान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके खाटूश्यामजी सहित सीकर के कई गांवों में महसूस किए गए। भूकंप सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आया। भूकंप की तीव्रता रिएक्टल पैमाने पर 3.5 दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए। इस दौरान घरों के पंखे और बर्तन गिर गए। दहशत में लोग घरों से बाहर निकल गए। काफी देर तक लोग भूकंप की डर से घरों से बाहर ही रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि रानोली और आस-पास के इलाकों में भी झटके महसूस किए गए। जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र सीकर रहा। भूकंप के झटके रानोली, खाटूश्यामजी, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद खाटूश्यामजी में भी होटल और धर्मशालाओं में रुके लोग बाहर निकल आए। हालांकि, किसी तरह के जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

बीजेपी स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान कर रही : केजरीवाल

» दिल्ली विधानसभा में फांसी घर पर मचा घमासान, आप व भाजपा में छिड़ी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को फांसी घर मामले के सिलसिले में दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश हुए। प्रद्युमन सिंह राजपूत की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक में केजरीवाल ने विधानसभा परिसर में स्थित एक शाफ्ट को फांसी घर घोषित करने और उसे आम जनता के लिए खोलने के संबंध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया।

विशेषाधिकार समिति में विधायक सूर्य प्रकाश खत्री, अभय कुमार वर्मा, अजय कुमार महावर, सतीश उपाध्याय, नीरज बसोया, रवि कांत, राम सिंह नेताजी और सुरेंद्र कुमार भी शामिल हैं। यह मामला मूल रूप से दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा उठाया गया था और इसमें दिल्ली विधानसभा परिसर के भीतर 9 अगस्त, 2022 को उद्घाटन किए गए फांसी घर की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए गए हैं। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा परिसर एक ऐतिहासिक इमारत है। यह इमारत 1912 में ब्रिटिश शासन के दौरान बनी थी, जब राजधानी कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित की गई थी। 2022 में, तत्कालीन अध्यक्ष राम निवास गोयल के प्रयासों से पता चला कि इस इमारत के एक कोने में फांसी का तख्ता था। वहां स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी जाती थी।

उन्होंने आगे कहा कि तत्कालीन अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री रहते हुए मुझे बुलाया और कहा कि हमें इसे पर्यटकों के लिए खोल देना चाहिए ताकि लोग इससे प्रेरणा ले सकें। मैंने इसे खोला और इसका उद्घाटन किया। अब, जब से उनकी सरकार सत्ता में आई है, वे यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि यह फांसी का तख्ता नहीं, बल्कि एक टिफिन रूम था। मेरा मानना है कि स्वतंत्रता सेनानियों का इससे बड़ा अपमान और कुछ नहीं हो सकता। मुझे आज विधानसभा में बुलाया गया और मुझसे यह साबित करने को कहा गया कि यह फांसी का तख्ता था। मैंने जवाब दिया कि तत्कालीन अध्यक्ष ने गहन जांच के बाद ऐसा साबित किया था। लेकिन मैंने उनसे पूछा कि उनके पास क्या सबूत है कि यह एक टिफिन रूम था। उनके पास कोई सबूत नहीं है... जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, दिल्ली की हालत बेहद खराब है।

केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली के लोग रो रहे हैं। उन्हें फिर से आम आदमी पार्टी की सरकार याद आ रही है। दिल्ली में हर जगह कूड़ा-कचरा फैला है। प्रदूषण भयानक है। सड़कें टूटी-फूटी हैं। मोहल्ले के क्लीनिक बंद हो रहे हैं। अस्पतालों में दवाइयां नहीं मिल रही हैं... अगर उनकी किसी कमेटी ने मुझसे पूछा होता, केजरीवाल जी, मुझे बताइए सीवर कैसे ठीक करें, सड़कें कैसे ठीक करें। तो मुझे खुशी होती। मैं अपना अनुभव साझा करता। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसकी सरकार सत्ता में है। मैं बस इतना चाहता हूं कि दिल्ली में सुधार हो। लेकिन वे दिल्ली चलाना ही नहीं चाहते।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा